## Media Activity Report

# Samriddh Dhan 2.0

*Discussion on the Proposed DSR Scale-Up Plan 2025*

Submitted on Thursday,
8th March 2025 by

THE PUBLICIST
Propelling Purposeful Perceptions

## Activity Synopsis

To position *Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025*, led by The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR), as a landmark initiative in sustainable agriculture, highlighting its impact on Direct Seeded Rice (DSR) adoption, stakeholder collaboration, and the future roadmap for Uttar Pradesh.

The strategic PR campaign, executed by The Publicist in collaboration with UPCAR, successfully positioned *Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025* as a pivotal initiative in sustainable agriculture, reinforcing its role in advancing DSR adoption and setting a progressive roadmap for the Kharif season 2025. The extensive media engagement ensured widespread visibility across national, regional, and industry-specific platforms, strengthening the program's credibility and outreach.

Following is the detailed media coverage report:

| S.no. | Date | Publication | Edition (Print / Web) |
|---|---|---|---|
| 1. | 06.03.25 | Hindustan | धानकीसीधीबुआईकीतकनीकअपनानेकेलिएरोडमैपतैयारकरेगी |
| 2. | 06.03.25 | UNI Varta | प्रदेशमेंखरीफसीजनमेंएकलाखहेक्टेयरतकडीएसआरसेधानकी |
| 3. | 06.03.25 | UNI Varta | प्रदेशमेंखरीफसीजनमेंएकलाखहेक्टेयरतकडीएसआरसेधानकी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | 06.03.25 | Prakhar Khabar | कमपानीमेंधानकीखेतीकेलिए 'उपकार' नेकिसानोंकोदीडीएसआरकीजानकारी |
| 5. | 06.03.25 | Desh Pratidin | समृद्धधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य |
| 6. | 06.03.25 | TV India Live News | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 7. | 06.03.25 | TV India Live News | The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) |
| 8. | 06.03.25 | APN News | UPCAR to Host High-Level Discussion on Scaling Direct Seeded Rice under Samridhi Dhan 2.0 |
| 9. | 06.03.25 | India News Hindi | समृद्धधान 2.0 उपकारव UP एक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव DSR का 2025 तक 1 लाखहेक्टेयरविस्तारकालक्ष्य। |
| 10. | 06.03.25 | AIN News | बुन्देलखण्डकोडीएसआरकेलिएनयेक्षेत्रकेरूपमेंजलवायुपरिवर्तनकेप रिपेक्ष्यमेंचिन्हितकियागया |
| 11. | 06.03.25 | Desh Pratidin News | समृद्धधान 2.0, उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव, DSR का 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य |
| 12. | 06.03.25 | MY City News | उपकार और यूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक बिस्तार का लक्ष्य |
| 13. | 06.03.25 | Suryoday Bharat | उपकारऔरयूपीएक्सीलेरेटरप्रोग्रामवर्ष 2025, खरीफकीधानबुवाईरोडमैपहेतुउच्च-स्तरीयबैठकआयोजित |
| 14. | 06.03.25 | Telescope Today | समृद्धधान2.0 :डीएसआरका 2025 तकएकलाखहेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य |
| 15. | 06.03.25 | Anaadi Tv | Lucknow :समृद्धधान 2.0 डीएसआरविजन 2025, सीडेडराइसडीएसआर के बिस्तार पर चर्चा | |
| 16. | 06.03.25 | Top Portal News | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 17. | 07.03.25 | India News Live | समृद्धधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य |
| 18. | 07.03.25 | Varta Partal | समृद्धधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य |
| 19. | 07.03.25 | News Desk Jagran | समृद्धधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिड्राइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 20. | 07.03.25 | The Bharat Insider | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 21. | 07.03.25 | Business News This week | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025 |
| 22. | 07.03.25 | Biz News Desk | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & UP Accelerator Pragati to Expand DSR to 100,000 Ha by 2025 |
| 23. | 07.03.25 | Online Media café | UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach |
| 24. | 07.03.25 | Media Bulletins | UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach |
| 25. | 07.03.25 | Biz News Daily | Samriddh Dhan 2.0: Boosting DSR Growth with UPCAR & Pragati |
| 26. | 07.03.25 | Content Media Solution | UPCAR & Pragati Partner to Expand DSR to 100,000 Ha Under Samriddh Dhan 2.0 |
| 27. | 07.03.25 | Green TV | आमकोदहियाकीटसेकैसेबचाएं ? Kisan Bulletin \| 07-03-2025 |
| 28. | 07.03.25 | Top Portal News | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 29. | 07.03.25 | OBN News | UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025 |
| 30. | 07.03.25 | Amar Ujala | Print<br>Direct sowing of paddy is necessary for environmental protection |
| 31. | 07.03.25 | Dainik Bhaskar | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 32. | 07.03.25 | Hindustan | Print<br>A roadmap will be made for direct sowing of paddy |
| 33. | 07.03.25 | Rashtriya Sahara | Print<br>Bundelkhand marked as new region |
| 34. | 07.03.25 | Aaj | Print<br>High level discussions hosted under UPCAR |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | Samriddh Dhan 2.0 |
| 35. | 07.03.25 | Voice of Lucknow | Print<br>DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 36. | 07.03.25 | SpashtAwaaz | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR aims to expand to 100,00 heactares by 2025 |
| 37. | 07.03.25 | United Bharat | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 38. | 07.03.25 | Anant Varta | Print<br>High level discussions hosted under UPCAR Samriddh Dhan 2.0 |
| | 07.03.25 | Kanwhizz Times | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 39. | 07.03.25 | MY City | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 40. | 07.03.25 | Avadhnama | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 41. | 07.03.25 | Jan Madhyam | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 42. | 07.03.25 | Garg Times | Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 43. | 07.03.25 | Anubhav India | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 44. | 07.03.25 | Jansandesh Times | Print<br>DSR aims to expand to 100,00 heactares by 2025 |
| 45. | 07.03.25 | Desh Pratidin | Print<br>Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025 |
| 46. | 07.03.25 | Lucknow News | Print<br>UPCAR & UP Accelerator host samriddh Dhan 2.0 to expand DSR cultivation |

| | |
|---|---|
| Publication | Hindustan |
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

# धान की सीधी बुआई की तकनीक अपनाने के लिए रोडमैप तैयार करेगी सरकार

Lucknow News - लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश में धान की सीधी बुआई (डीएसआर) के उपकार और यूपी एक्सीलेरेटर

Newswrap • हिन्दुस्तान, लखनऊ

Thu, 6 March 2025 08:51 PM

Share

Follow Us on

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता प्रदेश में धान की सीधी बुआई (डीएसआर) के उपकार और यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम रोडमैप तैयार करेगा। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) एवं यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम ने गुरुवार को इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें वर्ष 2025 की खरीफ में धान की सीधी बुवाई की रणनीति पर विचार किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शोध संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के बीच सहयोग को सशक्त बनाना था, जिससे उत्तर प्रदेश में डीएसआर की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाया जा सके।

| Publication | Varta |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

## प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डीएसआर से धान की खेती

लखनऊ, 06 मार्च, (वार्ता) उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 में प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टयर तक डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के माध्यम से धान की खेती का लक्ष्य तय किया है।

उपकार समृद्ध धान 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर गुरूवार को यहां आयोजित एक उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान यह जानकारी दी गयी। इसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

**विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।.**

| Publication | Varta |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

**बिजनेस**

Posted at: Mar 6 2025 8:37PM

## प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डीएसआर से धान की खेती

लखनऊ, 06 मार्च, (वार्ता) उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 में प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टयर तक डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के माध्यम से धान की खेती का लक्ष्य तय किया है।

उपकार समृद्ध धान 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर गुरूवार को यहां आयोजित एक उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान यह जानकारी दी गयी। इसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

**विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।.**

| Publication | Prakhar Khabar |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

# कम पानी में धान की खेती के लिए 'उपकार' ने किसानों को दी डीएसआर की जानकारी

प्रखर · मार्च 06, 2025

देश में भूजल का घटता स्तर और सिंचाई के साधनों का अभाव धान की खेती करने वाले किसानों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों की इस समस्या का समाधान डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के रूप में पेश किया है। इस तकनीक में धान की खेती के लिए खेत में पानी भर कर पौध रोपने की पारंपरिक विधि के मुकाबले काफी कम पानी का इस्तेमाल होता है, जिससे किसानों की लागत में भी कमी आती है। उत्तर प्रदेश में डीएसआर को बढ़ावा देने का बीड़ा उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) ने उठाया है।

अपनी इसी कवायद के तहत उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 संगोष्ठी काआयोजन किया। इसमें क्षेत्रीय किसानों को डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में डीएसआर को बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ चर्चा करते हुए जल संकट से जूझ रहे बुन्देलखण्ड को डीएसआर को बढ़ावा देने के लिए नये क्षेत्र के रूप में चुना गया।

इसमें बताया गया कि 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के बाद अब 2025 में इसे 100,000 हेक्टेयर तक पहुंचाना है। इसी के मद्देनजर इस कार्यक्रम का आयोजन चुनौतियों पर चर्चा करने और प्रगति की समीक्षा करने के लिए किया गया है। ताकि यूपी में डीएसआर के विकास के लिए एक मजबूत मंच मुहैया कराया जा सके।  पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

| Publication | Desh Pratidin |
| --- | --- |
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

# समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

DPNEWS-Admin · March 6, 2025 · टॉप न्यूज़ · Leave a comment · 6 Views

समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

| Publication | TV India Live |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

State : Uttar Pradesh

# Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

tvindia live   March 6, 2025

- **Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change.**

**TIL Desk Lucknow:** The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable growth, aiming to cover 100,000 hectares by 2025.

| Publication | TV India Live (Instagram) |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

tvindialivenews • Follow

tvindialivenews Lucknow: The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable growth,

4 hours ago

Log in to like or comment.

THE PUBLICIST
Propelling Purposeful Perceptions

| Publication | APN |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

# UPCAR to Host High-Level Discussion on Scaling Direct Seeded Rice under Samridhi Dhan 2.0

by NS — March 6, 2025 in Agriculture 0

0 SHARES 88 VIEWS Share on Facebook Share on Twitter

Lucknow : The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) is set to host a high-level discussion on the Direct Seeded Rice (DSR) Scale-up Plan 2025 under the Samridhi Dhan 2.0 initiative. The event will take place on Thursday, March 6, 2025, from 11:00 AM to 1:45 PM at the UPCAR Office Auditorium, Govt Garden, Alambagh, Lucknow, bringing together key stakeholders, including representatives from the World Bank, academia, State Agricultural Universities (SAUs), Krishi Vigyan Kendras (KVKs), FPOs, Private companies and relevant institutes.

The discussion aims to review the successes and lessons from the Kharif 2024 DSR implementation and identify strategic interventions to scale up DSR adoption in the coming seasons. Participants will focus on defining the roles of SAUs, KVKs, extension networks, and private partners in ensuring a structured expansion of DSR across the state. Additionally, the event will explore forward-looking approaches such as micro-irrigation, carbon credits, insurance models, and regenerative farming practices through on-ground demonstrations. A key aspect of the discussion will be identifying mechanisms to increase the area under pulses post-paddy cultivation, promoting diversified and sustainable farming systems that enhance soil health and farmer incomes.

Emphasizing the importance of collaborative efforts, Dr. Sanjay Singh, Director General, UPCAR, said, "UPCAR remains committed to promoting sustainable and climate-resilient agricultural practices in Uttar Pradesh. Direct Seeded Rice (DSR) technology is a crucial step toward efficient water management, reducing carbon emissions, and improving farm productivity. An integrated approach involving government agencies, research institutions, and private partners is essential to effectively scale this initiative through policy support, capacity building, and technological innovations. We invite all stakeholders, including policymakers and industry representatives, to actively participate in shaping the future of sustainable rice cultivation in the region."

| Publication | India News Hindi |
| --- | --- |
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

समृद्धधान 2.0 उपकार व UP एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव DSR का 2025 तक 1 लाख हेक्टेयर विस्तार का लक्ष्य।

India News Hindi

Subscribe

0 Share Download Save

6 views 6 Mar 2025

| Publication | AIN News |
| --- | --- |
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तनके परिपेक्ष्य में चिन्हित कियागया।

A I N NEWS

Subscribe

Share | Download | Clip | Save

views 7 Mar 2025

[illegible]

| Publication | DESHPRATIDIN NEWS |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

| Publication | MY City |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

| Publication | Suryoday Bharat |
| --- | --- |
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

# उपकार और यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम वर्ष 2025, खरीफ की धान बुवाई रोडमैप हेतु उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित

March 6, 2025

**सूर्योदय भारत समाचार सेवा, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) ने विश्व बैंक के यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम के सहयोग से उत्तर प्रदेश में धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप विकसित करने हेतु एक उच्च-स्तरीय हितधारक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता उपकार के महानिदेशक डा. संजय सिंह ने की, जिसमें नीति-निर्माताओं, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, निजी क्षेत्र के भागीदारों, एफपीओ प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों और विभिन्न संस्थानों के अग्रणी विशेषज्ञों ने भाग लिया।

| Publication | Telescope Today |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

# समृद्धधान 2.0 : डीएसआर का 2025 तक एक लाख हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

Telescope Today March 6, 2025

• बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में किया गया चिन्हित

लखनऊ (टेलीस्कोप टुडे संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।

| Publication | Anaadi TV |
| --- | --- |
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

| Publication | Top Portal News |
|---|---|
| DATE | 06.03.2025 |
| Edition | Online |

## Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

1 Vote

- *Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change*

**New Delhi , 6 March 2025**

The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted **Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025** in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of **Direct Seeded Rice (DSR)** in the state. With DSR cultivation already reaching **80,000 hectares in 2024**, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting **100,000 hectares by 2025**. In light of climate change, **Bundelkhand** has been

| Publication | India News Line |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

Agriculture

# समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित किया गया

9 hours ago 2 3 minutes read

समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

- बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

लखनऊ, 6 मार्च 2025 – उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर मिशन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

| Publication | Varta Portal |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |



# समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

By Vaibhav Awasthi 7 March 2025

8 0

Share

## समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

- *बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।*

**लखनऊ, 6 मार्च 2025** – उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

| Publication | News Desk Jagran |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

News Desk Jagran

All Posts

## समृद्धधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

- *बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित किया गया।*

लखनऊ, 6 मार्च 2025 – उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर मिलन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

| Publication | The Bharat Insider |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

March 7, 2025 12:54 pm

## Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

- *Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change.*

**Lucknow, 6th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable growth, aiming to cover 100,000 hectares by 2025. In this event Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

| Publication | Business News This Week |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025

March 7, 2025 Rekha Nair Business 0

Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Sammridh Dhan 2.0

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

THE PUBLICIST
Propelling Purposeful Perceptions

| Publication | Biz News Desk |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

BUSINESS

# Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & UP Accelerator Pragati to Expand DSR to 100,000 Ha by 2025

REKHA NAIR 4 HOURS AGO

Share

Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Sammridh Dhan 2.0

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

| Publication | Online Media Café |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach

March 7, 2025

Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Sammridh Dhan 2.0

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

Moving forward, the UP-Accelerator Program will strengthen district-level advisories and best-practice documentation, ensuring farmers receive clear and actionable guidance. A unified approach, aligning SAUs, extension networks, private partners, and farmer organizations, will streamline efforts and drive large-scale adoption. The roadmap also includes scaling sustainable practices, such as biochar application, regenerative agriculture, and climate-smart innovations, to create a resilient and economically viable agricultural ecosystem.

| Publication | Media Bulletins |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

Business

# UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach

March 7, 2025

Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Sammridh Dhan 2.0

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

Moving forward, the UP-Accelerator Program will strengthen district-level advisories and best-practice documentation, ensuring farmers receive clear and actionable guidance. A unified approach, aligning SAUs, extension networks, private partners, and farmer organizations, will streamline efforts and drive large-scale adoption. The roadmap also includes scaling sustainable practices, such as biochar application, regenerative agriculture, and climate-smart innovations, to create a resilient and economically viable agricultural ecosystem.

| Publication | Biz News Daily |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# Samriddh Dhan 2.0: Boosting DSR Growth with UPCAR & Pragati

BY **REKHA** MARCH 7, 2025 BUSINESS LEAVE A COMMENT

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

Moving forward, the UP-Accelerator Program will strengthen district-level advisories and best-practice documentation, ensuring farmers receive clear and actionable guidance. A unified approach, aligning SAUs, extension networks, private partners, and farmer organizations, will streamline efforts and drive large-scale adoption. The roadmap also includes scaling sustainable practices, such as biochar application, regenerative agriculture, and climate-smart innovations, to create a resilient and economically viable agricultural ecosystem.

| Publication | Content Media solution |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# UPCAR & Pragati Partner to Expand DSR to 100,000 Ha Under Samriddh Dhan 2.0

March 7, 2025 Business

Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Sammridh Dhan 2.0

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

| Publication | GreenTV |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

THE PUBLICIST
Propelling Purposeful Perceptions

| Publication | OBN News |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

# UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025

Tezzbuzz | 07/03/2025 17:24:11

Mr sanjay singh dg icar speaking at the sammridh dhan 2.0

**New Delhi, 7th March 2025** – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

| Publication | Top Portal News(X) |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| Edition | Online |

Post

Top Portal News
@topportalnews

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
#UPCAR
#UPAGRI
#UPGOVT

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100...

From topportalnews.wordpress.com

12:57 PM · Mar 7, 2025 · 8 Views

| Publication | Amar Ujala |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 04 |
| Edition | Lucknow |

# धान की सीधी बोआई पर्यावरण हित में जरूरी

**लखनऊ।** डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) यानी धान की सीधी बोआई उन्नत और जलवायु फ्रेंडली तरीका है। प्रदेश में इसकी बोआई, प्रोत्साहन व इससे संबंधित अन्य विषयों के लिए उप्र कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) ने कृषि विभाग के अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर बृहस्पतिवार को बैठक की।

यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने धान की सीधी बोआई के पर्यावरण व आर्थिकी पर होने वाले फायदों पर चर्चा की। कहा, डीएसआर न केवल पानी बचाता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। आलमबाग स्थित राजकीय उद्यान के सभागार यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम के तहत डीएसआर विजन 2025 की समीक्षा भी की गई।

जल संसाधन समूह के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अंजलि पारसनिस आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

| | |
|---|---|
| Publication | Dainik Bhaskar |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 11 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0–उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया।

| Publication | Hindustan |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 09 |
| Edition | Lucknow |

# धान की सीधी बुवाई के लिए बनाया जाएगा रोडमैप

लखनऊ। धान की सीधी बुवाई को बड़े पैमाने पर अपनाने और इसके लिए एक रणनीतिक रोडमैप विकसित करने के लिए गुरुवार को एक उच्च-स्तरीय बैठक का आयोजन किया। कृषि अनुसंधान परिषद सभागार में आयोजित बैठक में उपकार के महानिदेशक डा. संजय सिंह ने शोध संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के बीच सहयोग को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

| Publication | Rashtriya Shara |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 05 |
| Edition | Lucknow |

# बुन्देलखण्ड नये क्षेत्र के रूप में चिह्नित

आलमबाग लखनऊ (एसएनबी)। स्थानीय आनंद नगर स्थित राजकीय उद्यान के सभागार में कृषि अनुसंधान परिषद व यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की समीक्षा की गई । आयोजन में प्रगति की समीक्षा करने समेत चनौतियों पर चर्चा की गयी। आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया । इस मौके पर विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों को किसानों तक उचित समय पर पहुंचाने समेत मशीनीकरण सहायता अपना कर गति देने के महत्व पर प्रकाश डाला । इस मौके पर यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ? संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एसएयू व केवीके के निजी भागीदारों और किसानों के नेटवर्क के बीच का सहयोग लक्ष्य को प्राप्त करने के सहायक सिद्ध होगा । विश्व बैंक के जल संसाधन समूह के राज्य समन्वयक डॉ? योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है । उन्होंने कहा कि कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्योजी प्रथाओं को एकीकृत कर हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते है । इस मौके पर यूपीसीएआर के उप महानिदेशक डॉ? संजीव कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

| Publication | Aaj |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 05 |
| Edition | Lucknow |

# फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

| Publication | SpashtAwaaz |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 07 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0 उपकार का 25 तक 100,000 हेक्टेयर विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 25 की मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर जोर दिया गया। धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपी-एक्सीलरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना शामिल है। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण ने कहा एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सूचना

| Publication | Voice of Lucknow |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 14 |
| Edition | Lucknow |

# डीएसआर का लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार

लखनऊ । उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

| Publication | United Bharat |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 12 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0-उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

**लखनऊ (संवाददाता)।** उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपी-एक्सेलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेज़ीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि नाइट्रोजन अनुप्रयोग, पुनर्योजी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, -डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्योजी प्रथाओं को एकीकृत करके, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक, डॉ. संजीव कुमार ने जोर देकर कहा, -उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

| Publication | Anant Varta |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 12 |
| Edition | Lucknow |

# उपकार समृद्धि धन 2.0 के तहत उच्च स्तरीय चर्चाओं की मेजबानी की

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) समृद्धि धन 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर एक उच्च स्तरीय चर्चा की मेजबानी करने जा रहा है। यह कार्यक्रम गुरुवार, 6 मार्च, 2025 को यूपीसीएआर कार्यालय सभागार, राजकीय उद्यान, आलमबाग, लखनऊ में होगा, जिसमें विश्व बैंक, शिक्षाविदों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), निजी उद्योग और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारक एक साथ आएंगे। सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर देते हुए, यूपीसीएआर के महानिदेशक, डॉ. संजय सिंह ने कहा, 'यूपीसीएआर उत्तर प्रदेश में टिकाऊ और जलवायु-लचीली कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक कुशल जल प्रबंधन, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और कृषि उत्पादकता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नीतिगत समर्थन, क्षमता निर्माण और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से इस पहल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सरकारी एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों और निजी भागीदारों को शामिल करते हुए एक एकीकृत दृष्टिकोण आवश्यक है। हम क्षेत्र में टिकाऊ चावल की खेती के भविष्य को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए नीति निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों को आमंत्रित करते हैं। 'आयोजन के प्राथमिक उद्देश्यों में खरीफ 2024 डीएसआर कार्यान्वयन से सफलताओं और सबक की समीक्षा करना, आगामी सीज़न में डीएसआर को बढ़ाने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप पर चर्चा करना और एसएयू, केवीके, विस्तार नेटवर्क और निजी भागीदारों की भूमिकाओं को संरेखित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, चर्चा में प्रदर्शनों के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई, कार्बन क्रेडिट, बीमा और पुनर्योजी कृषि प्रथाओं जैसे दूरंदेशी दृष्टिकोणों का पता लगाया जाएगा।

| Publication | Kanwhizz Times |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 03 |
| Edition | Lucknow |

# उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने की समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की मेजबानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को पार करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया,

जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संसाधन संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय कार्यबल द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रथाओं को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्योजी प्रथाओं को एकीकृत करके, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। वहीं यूपीसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. संजीव कुमार ने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगे बढ़ते हुए, हमें इस गति को बनाए रखने के लिए ज्ञान-साझाकरण, समय पर इनपुट उपलब्धता और मशीनीकरण समर्थन के माध्यम से किसानों के विश्वास को मजबूत करना होगा। चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. अंजलि पारासनिस, [illegible] प्रमुख, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), विश्व बैंक ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया।

| Publication | My City |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 12 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0 उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

## बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित किया गया

| Publication | Avadhnama |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 12 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0 उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों

ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपी-एक्सीलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचार अनुप्रयोग, पुनर्योजी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है।

| Publication | Janmadhayam |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 08 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0- उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े।यूपी-एक्सीलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचार अनुप्रयोग, पुनर्योजी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके।

यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, -एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा।-

विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, -डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्योजी प्रथाओं को एकीकृत करके, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं।-

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक, डॉ. संजीव कुमार ने जोर देकर कहा, -उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. अंजलि पारसनिस, तकनीकी प्रमुख, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), विश्व बैंक, ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया। -किसानों को डीएसआर को पूरी तरह अपनाने के लिए, हमें सही प्रोत्साहन देने की जरूरत है - चाहे वह सूक्ष्म सिंचाई सहायता, बीमा योजनाओं या जैव उर्वरक अनुप्रयोगों के माध्यम से हो।

| Publication | Garg Times |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 05 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0 उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। पिछले वर्ष 150 से

अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपी एक्सेलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचार अनुप्रयोग, पुनर्योजी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग इसके 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है।

| | |
|---|---|
| Publication | Anubhav India |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 04 |
| Edition | Lucknow |

THE PUBLICIST
Propelling Purposeful Perceptions

# समृद्धधान २.० उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का २०२५ तक १००,००० हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

लखनऊ, 6 मार्च 2025 दु उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसने उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और लक्ष्य विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े।

यूपी-एक्सीलरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय समन्वय और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचार अनुप्रयोग, पुनर्योजी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके।यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, 'एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय समन्वय द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा।' विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्योजी प्रथाओं को एकीकृत करके, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं।'

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक, डॉ. संजीव कुमार ने जोर देकर कहा, 'उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगे बढ़ते हुए, हमें इस गति को बनाए रखने के लिए ज्ञान-साझाकरण, समय पर इनपुट उपलब्धता और मशीनीकरण समर्थन के माध्यम से किसानों के विश्वास को मजबूत करना होगा।'

चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. अंजलि पारसनिस, तकनीकी प्रमुख, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), विश्व बैंक, ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया। 'किसानों को डीएसआर को पूरी तरह अपनाने के लिए, हमें सही प्रोत्साहन देने की जरूरत है – चाहे वह सूक्ष्म सिंचाई सहायता, बीमा योजनाओं या जैव उर्वरक अनुप्रयोगों के माध्यम से हो। ये उपाय एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाएंगे।'

इस कार्यक्रम में निजी क्षेत्र के प्रमुख, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), शोध संस्थान, एसएयू विशेषज्ञ, केवीके प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी शामिल हुए, जो धान की खेती में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश जलवायु-स्मार्ट और संसाधन-कुशल कृषि मॉडल की ओर बढ़ रहा है, समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 किसान-केंद्रित, विज्ञान-संचालित समाधानों को सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है जो सतत प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

| Publication | Jansandesh Times |
| --- | --- |
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 08 |
| Edition | Lucknow |

# एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग महत्वपूर्णः डॉ. संजय सिंह

## डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और

किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक, डॉ. संजीव कुमार ने जोर देकर कहा, उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगे बढ़ते हुए, हमें इस गति को बनाए रखने के लिए ज्ञान-साझाकरण, समय पर इनपुट उपलब्धता और मशीनीकरण समर्थन के माध्यम से किसानों के विश्वास को मजबूत करना होगा। चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. अंजलि पारसनिस, तकनीकी प्रमुख, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), विश्व बैंक, ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया।

| Publication | Desh Pratidin |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 04 |
| Edition | Lucknow |

# समृद्धधान 2.0 : उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

## बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया

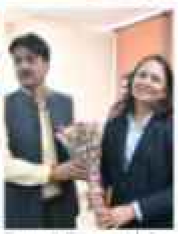

| Publication | Lucknow News |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 03 |
| Edition | Lucknow |

## UPCAR & UP ACCELERATOR HOST SAMRIDDH DHAN 2.0 TO EXPAND DSR CULTIVATION

LUCKNOW: The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable growth, aiming to cover 100,000 hectares by 2025. In this event Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change. Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability.

| Publication | Daily News Activist |
|---|---|
| DATE | 07.03.2025 |
| PG No. | 02 |
| Edition | Lucknow |

# बुंदेलखंड को जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया

**लखनऊ ( डीएनएन )।** उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। यूपी-एक्सीलरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेज़ीकरण को मजबूत करेगा। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरेखण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।